MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by the hon. Member, Shri Ravi Chandra Vaddiraju: Shri Haris Beeran (Kerala), Shri R. Girirajan (Tamil Nadu), Shri Niranjan Bishi (Odisha) and Dr. Sasmit Patra (Odisha), Dr. John Brittas (Kerala), Shri Sandosh Kumar P (Kerala), Dr. V. Sivadasan (Kerala) and Shri Tiruchi Siva (Tamil Nadu).

Now, Dr. Sikander Kumar — Demand to establish a dedicated cancer hospital in the State of Himachal Pradesh.

Demand to establish a dedicated Cancer Hospital in the State of Himachal Pradesh

डा. सिकंदर कुमार (हिमाचल प्रदेश): महोदय, मोदी सरकार के 2014 से 2019 और 2019 से 2024 के कार्यकाल के दौरान स्वास्थ्य क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन आए हैं और वर्तमान कार्यकाल में भी मोदी सरकार स्वास्थ्य क्षेत्र में लगातार सुधार और लोगों को बेहतर एवं सस्ती स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। जहां 2014 से पहले देश में मेडिकल कॉलेजों की संख्या 387 थी, अब 112 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2014 में मेडिकल कॉलेजों की संख्या 780 पहुंच गई है। मुझे यह बताते हुए हर्ष होता है कि मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में स्वास्थ्य मंत्री रहे और वर्तमान में भी केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री आदरणीय श्री जगत प्रकाश नड्डा जी के प्रयासों से हिमाचल प्रदेश को चार मेडिकल कॉलेज — चम्बा, नाहन, मंडी और हमीरपुर तथा एक एम्स, बिलासपुर की सौगात मिली है। चारों मेडिकल कॉलेज अभी निर्माणाधीन हैं, जबकि एम्स, बिलासपुर में बहुत से विभाग शुरू हो चुके हैं, जो कि हिमाचल वासियों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है।

महोदय, केंद्र सरकार ने देशवासियों के स्वास्थ्य का चिंतन करते हुए अनेक कल्याणकारी योजनाएं भी शुरू की हैं। महोदय, हम जानते हैं कि कैंसर एक ऐसा मर्ज़ है, जो तेज गति से मानवजाति को अपनी चपेट में ले रहा है और दिनों-दिन इसके मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। पहले यह मर्ज़ चुनिंदा लोगों में ही देखने को मिलता था, परंतु आज इस बीमारी के मरीजों का ग्राफ तेज गति से बढ़ रहा है, जो कि बेहद चिंता का विषय है। पहले यह मर्ज़ बुजुर्गों में अधिकतर देखने को मिलता था, परंतु वर्तमान समय में महिला, पुरुष, बच्चा, बूढ़ा, जवान सभी इस गंभीर बीमारी की चपेट में आ रहे हैं। विडम्बना यह है कि इस बीमारी का पता भी अक्सर तब चलता है जब इसका इलाज कर पाना लगभग असंभव हो जाता है। कहा जाता है कि लगभग 5 में से 1 व्यक्ति को अपने जीवन काल में कैंसर होता है और लगभग 9 में से 1 पुरुष और 12 में से 1 महिला की इस बीमारी से मृत्यु हो जाती है। वर्तमान समय में हमारे देश में लाखों लोग इस बीमारी से ग्रस्त हैं और अधिकतर लोगों की इस बीमारी से मृत्यु हो जाती है।

उपसभापति महोदय, हिमाचल प्रदेश में भी कैंसर के मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है और हिमाचल में इस बीमारी के इलाज के लिए कोई उपयुक्त अस्पताल भी नहीं है, हालांकि माननीय केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री आदरणीय श्री जगत प्रकाश नड्डा जी ने 7 मार्च, 2025 को एम्स में पैट स्कैन मशीन का शुभारम्भ किया है, जिससे कैंसर रोग को आसानी से डिटेक्ट किया जा सकेगा। यह हिमाचल का पहला अस्पताल है, जहां पैट स्कैन की सुविधा जनता को समर्पित की

गई है। महोदय, हिमाचल प्रदेश का इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल शिमला राज्य का शीर्ष और सबसे पुराना संस्थान होने के नाते उसे क्षेत्रीय कैंसर केंद्र के रूप में अधिसूचित किया गया है। वर्तमान में आईजीएमसी, शिमला में जनरल सर्जरी विभाग में बनाए गए सर्जिकल ओंकोलॉजी विभाग में एकमात्र सर्जन सहायक प्रोफेसर हैं और वहां सुविधाओं का भी अभाव है, जिसके कारण नियमित रूप से सर्जरीज़ नहीं हो पा रही हैं। यहां पर कैंसर मरीजों की तुलना में ऑपरेशन थिएटर टेबलों की संख्या बहुत कम है।

महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से आग्रह करता हूं कि हिमाचल प्रदेश में एक डेडिकेटेड कैंसर हॉस्पिटल की स्थापना की जाए, ताकि इस गंभीर बीमारी से ...(**समय की घंटी**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by hon. Member, Dr. Sikander Kumar: Shri R. Girirajan (Tamil Nadu), Shri Devendra Pratap Singh (Chhattisgarh), Shri Dhananjay Bhimrao Mahadik (Maharashtra), Shri Niranjan Bishi (Odisha), Shri S. Selvaganabathy (Puducherry), Shri Banshilal Gurjar (Madhya Pradesh), Dr. Kalpana Saini (Uttarakhand), Dr. Ajeet Madhavrao Gopchade (Maharashtra), Shri Naresh Bansal (Uttarakhand), Shri Brij Lal (Uttar Pradesh), Dr. Sumer Singh Solanki (Madhya Pradesh), Dr. Radha Mohan Das Agrawal (Uttar Pradesh), Ms. Indu Bala Goswami (Himachal Pradesh), Shri Tejveer Singh (Uttar Pradesh), Shri Shambhu Sharan Patel (Bihar), Shri Baburam Nishad (Uttar Pradesh), Dr. Bhagwat Karad (Maharashtra), Shri Sanjay Seth (Uttar Pradesh), Dr. Anil Sukhdeorao Bonde (Maharashtra), Shrimati Geeta alias Chandraprabha (Uttar Pradesh) and Dr. Sasmit Patra (Odisha).

Now, Shri Satnam Singh Sandhu, 'Demand to Grant Tribal Status to Marginalised Tribal Communities from Punjab'.

Demand to grant Tribal status to marginalised Tribal Communities from Punjab

श्री सतनाम सिंह संधू (नामनिर्देशित): डिप्टी चेयरमैन सर, मैं पंजाब की बेहद पिछड़ी हुई जनजाति वर्गों, जिनमें मुख्य रूप से बाजीगर, बाओरिया, गडिला, नट, सांसी, बराद और बंगाली communities शामिल हैं, को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने का मुद्दा सदन के सामने रखना चाहता हूँ।

डिप्टी चेयरमैन साहब, प्रधान मंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी जी ने पिछड़ी जनजातियों के विकास और सम्मान के लिए कई क्रांतिकारी कार्य किए हैं। पिछड़ी जनजातियों के बच्चों की quality education के लिए मॉडल स्कूल्स खोले गए हैं; इनकी livelihood के लिए Tribal Multipurpose Marketing Centre बनाए गए हैं; Sickle Cell Anemia के खात्मे के लिए भी कदम उठाए गए हैं और सबसे बड़ी बात, भगवान बिरसा मुंडा के जन्मदिवस को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने की घोषणा कर इन पिछड़े वर्गों को बड़ा सम्मान दिया गया है। इसके साथ ही, श्री नरेन्द्र